Programme Project Report (PPR)
कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट
हिन्दी (स्नातकोत्तर)
हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाएँ विभाग

हिन्दी में स्नातकोत्तर (MAHL)

1. **उद्देश्य**–दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का मुख्य उद्देश्य ऐसे छात्रों को मुख्य धारा से जोड़ना है जो सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं अन्य कारणों से शिक्षासे वंचित हैं या बीच में ही शिक्षा छोड़ चुके हैं। शिक्षा की यह पद्धति नौकरीपेशा लोगों को उनके अपने ज्ञान को अद्यतन करने, नए व्यवसाय और विषयों का चुनाव करने में सक्षम बनाती है तथा साथ ही उनको आजीविका(Career) में उन्नति के लिए योग्यता बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करती है।

   हिन्दी विषय के इस पाठ्यक्रम के उद्देशय हैं :-

- हिन्दीविषय की विविध विधाओं तथा शास्त्र में समुचित विशेषज्ञता हासिल कराना।
- हिन्दी की उच्च शिक्षा में बेहतर सम्भावनाओं की तलाश और उसके आधार पर शिक्षक, शोधकर्ता तथा मौलिक लेखक-विचारक के रूप में उपयोगी भूमिका का निर्वहन करने योग्य बनाना।
- विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में भाषा एवं साहित्य परम्परा के ज्ञान के आधार पर सफलता प्राप्त करने योग्य बनाना।
- साहित्य की परम्परा के गहन अध्यापन द्वारा छात्रों के हृदय में मानवीय संवेदना, मानवोचित विवेक एवं मूल्यों का निर्माण करना

2.प्रासंगिकता/उपयोगिता–आज के समय में शिक्षार्थी ज्ञान प्राप्त करना चाहता है चाहे उसका माध्यम कुछ भी हो। इस परिदृश्य में दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षण प्रणाली लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अत्यधिक उपयोगी साबित हो रही है। दूरस्थ शिक्षण प्रणाली की प्रमुख विशेषता यह है कि यह समयबद्ध व स्थानबद्ध नहीं है। हिन्दी विषय एक पारंपरिक विषय के रूप में विकसित हुआ है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में हिन्दी साहित्य की उपयोगिता इस सन्दर्भ में बी ही निहित है कि यह विषय दूसाथ प्रणाली के मध्य मानवीय मूल्य, गरिमा को प्रस्थापित कर सके।इस द्रिस्थी से यह विषय उच्च ज्ञान के साथ संवेदना-कौशल के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है। ऐसे में परम्परागत विश्वविद्यालय के घटकों से इतर दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षण प्रणाली के हिन्दी विषय के विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरणों (जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट, यू-ट्यूब, मोबाईल, स्काईप, वेबसाइट आदि) एवं संचार माध्यमों से साहित्य एवं भाषा के ज्ञान का उपलब्ध कराया जाता है।

3. शिक्षार्थियों के समूह की प्रकृति–हिन्दी विषय का यह पाठ्यक्रम उन छात्रों को केन्द्र में रखकर विकसित किया गया है जो हिन्दी के क्षेत्र में शिक्षक, शोधकर्ता,लेखक-विचारक के रूप मेंतथा अन्य संबंधित क्षेत्र में अपने को स्थापित करना चाहते हैं किन्तु सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं अन्य कारणों से हिन्दी की उच्च शिक्षा से वंचित हैं या बीच में हीसाहित्य-शिक्षा छोड़ चुके हैं। हिन्दी विषय के शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम से संबंधित स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री, दृश्य

एवं श्रृव्य व्याख्यान,परामर्श सत्रों, कार्यशालाओं,सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरणों(जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट, यू-ट्यूब, मोबाईल, स्काईप, वेबसाइट आदि) एवं संचार के माध्यम से बिना किसी बन्धन के कहीं भी कभी भी ज्ञान अर्जित कर सकता हैं।

4. मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यमसे संचालित पाठ्यक्रम का औचित्य–मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से इस पाठ्यक्रम को संचालित कर शिक्षार्थी को अन्य शिक्षण प्रणाली की अपेक्षा हिन्दी विषय की बारीकियों से सरलता से अवगत कराया जा सकता है और संबंधित क्षेत्रमें अधिक दक्ष बनाया जा सकता है। इसका प्रमुख कारण है कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम में ज्ञान प्राप्ति के विभिन्न माध्यम जैसे स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री, दृश्य एवं श्रृव्य व्याख्यान आदि शिक्षार्थी को केन्द्र में रखकर तैयार किए जाते हैं एवं सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरण (जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट, यू-ट्यूब, मोबाईल, स्काईप, वेबसाइट आदि),संचार माध्यमों आदि शिक्षार्थी के अनुसार कार्य करते हैं।

5. निर्देशात्मक रूपरेखा–हिन्दी विषय का इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत हिन्दी साहित्य एवं भाषा के अध्ययन को सम्मिलित किया गया है । हिन्दी विषय के पाठ्यक्रम की अवधिन्यूनतम 2 से अधिकतम 6 वर्ष तक की होगी। पाठ्यक्रम कुल 60 श्रेयांक(30श्रेयांक प्रति वर्ष) का होगा।

Master of Arts (Hindi) मास्टर ऑफ आर्ट्स (हिंदी)

Code: MAHL-21	Credit : 72	Min-Duration : 24 (Month)| Max-Duration : 72 (Month)			
Year/Semester : 1	**Admission Fee : ₹ 2000.00**	**Exam Fee : ₹ 1000.00**		***Total : ₹ 3000**	
MAHL-501	हिन्दी साहित्य का इतिहास और आदिकालीन कविता-01	4	Syllabus	SLM	
MAHL-502	मध्यकालीन कविता-01	4	Syllabus	SLM	
MAHL-503	आधुनिक एवं समकालीन कविता-01	4	Syllabus	SLM	
MAHL-504	साहित्यशास्त्र एवं हिन्दी समालोचना-01	4	Syllabus	SLM	
Year/Semester : 2	**Admission Fee : ₹ 2000.00**	**Exam Fee : ₹ 1000.00**		***Total : ₹ 3000**	
MAHL-505	हिन्दी साहित्य का इतिहास और आदिकालीन कविता-02	4	Syllabus	SLM	

MAHL-506	मध्यकालीन कविता-02	4	Syllabus	SLM	
MAHL-507	आधुनिक एवं समकालीन कविता - 02	4	Syllabus	SLM	
MAHL-508	साहित्यशास्त्र एवं हिन्दी समालोचना-02	4	Syllabus	SLM	
Year/Semester : 3	**Admission Fee : ₹ 2000.00**	**Exam Fee : ₹ 1250.00**		***Total : ₹ 3250**	
MAHL-601	कथा साहित्य -01	4	Syllabus	SLM	
MAHL-602	नाटक एवं कथेतर साहित्यa- 01	4	Syllabus	SLM	
MAHL-603	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा- 01	4	Syllabus	SLM	
MAHL-604	तुलनात्मक एवं भारतीय साहित्य-01	4	Syllabus	SLM	
MAHL-605	उत्तराखण्ड का लोक साहित्य-01	4	Syllabus	SLM	
MAHL-606	हिन्दी पत्रकारिता : इतिहास एवं सिद्धान्त-01	4	Syllabus	SLM	
Year/Semester : 4	**Admission Fee : ₹ 2000.00**	**Exam Fee : ₹ 1250.00**		***Total : ₹ 3250**	
MAHL-607	कथा साहित्य - 02	4	Syllabus	SLM	
MAHL-608	नाटक एवं कथेतर साहित्य- 02	4	Syllabus	SLM	
MAHL-609	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा- 02	4	Syllabus	SLM	
MAHL-610	तुलनात्मक एवं भारतीय साहित्य-02	4	Syllabus	SLM	
MAHL-611	उत्तराखण्ड का लोक साहित्य-02	4	Syllabus	SLM	
MAHL-612	हिन्दी पत्रकारिता : इतिहास एवं सिद्धान्त-02	4	Syllabus	SLM	

* Note: Miscellaneous fees ₹150/- for Admission in New Programme/First Year/Semester, Degree Fee ₹300/- (Last Year/Semester

6. प्रवेश, वितरण एवं मूल्यांकन विधि–

क.प्रवेश योग्यता - स्नातक

पाठ्यक्रमअवधि - 2 वर्ष से 6 वर्ष

पाठ्यक्रम माध्यम - हिन्दी

पाठ्यक्रम श्रेयांक - 60(30 प्रति वर्ष)

शुल्क संरचना -

शुल्क संरचना -

वर्ष	प्रवेश शुल्क	परीक्षा शुल्क	कुल
I वर्ष	4000	2000+ 150	6150
II वर्ष	4000	2500+ 500	7000
कुल	6000	1350	13150

ख.वितरण–हिन्दी विषय का पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केवल उन्हीं अध्ययन केन्द्रों में संचालित किया जाएगा जहाँ पर हिन्दी विषय के शिक्षक उपलब्ध हों। विषय केसैद्धांतिक पक्ष हेतु शिक्षार्थियों को स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री मुद्रित रूप में दी जाएगी। दृश्य एवं श्रृव्य व्याख्यान भी उपलब्ध कराएं जाऐंगे, जिनकी सहायता से शिक्षार्थी विषय को सूक्षमता एवं गहनता से समझ सकने में सक्षम हो। इसके साथ-साथ शिक्षार्थियों को सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न उपकरणों एवं माध्यमों से भी विषय को समझाने का प्रयास किया जाएगा। शिक्षार्थियों की समस्याओं के निराकरण हेतु परामर्श सत्रों का आयोजन किया जाएगा एवं प्रत्येक वर्ष कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी।

ग. मूल्यांकन– शिक्षार्थियों के मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मूल्यांकन की समुचित प्रणालियों - सत्रीय कार्य एवं सैद्धान्तिक परीक्षा का आयोजनकिया जाएगा। इसके साथ ही साथ परामर्श सत्रों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से भी मूल्यांकन का कार्य किया जाएगा।

7. पुस्तकालय सहायता–हिन्दी विषय केवल उन्हीं अध्ययन केन्द्रों में संचालित किया जाएगा जहाँ पर हिन्दी विषय के शिक्षक तथा विषय संबंधित सामग्री उपलब्ध हो। अध्ययन केन्द्रों में परामर्श सत्रों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से शिक्षार्थियों को हिन्दी विषय के सैद्धान्तिक पक्ष काज्ञान उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही साथ शिक्षार्थियों के लिए पुस्तकालय की भी व्यवस्था होगी जहाँ विद्यार्थियों को हिन्दी विषय के विभिन्न पक्षों का स्वाध्याय के माध्यम से ज्ञान प्रदान किया जा सकेगा।

8. पाठ्यक्रम की अनुमानित लागत–

अ)इकाई लेखन - 150×6000=रू09,00000/-

ब) इकाई संपादन - 150×3000=रू04,50000/-

स)कुल - 13,50000/-

9. गुणवत्ता प्रणाली एवं परिणाम–

हिन्दी विषय के इस पाठ्यक्रम के के भविष्यगामी परिणाम निम्नलिखित होंगे :-

- विद्यार्थी हिन्दीविषय की विविध विधाओं तथा शास्त्र कीसमुचित विशेषज्ञता हासिल कर सकेंगे।
- विद्यार्थी हिन्दी विषय के अन्तर्गत विभिन्न विद्यालयों एक संस्थाओं में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे।
- साहित्य की समुचित परम्परा के ज्ञान के पश्चात विद्यार्थी लेखक –विचारक के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे।
- विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में भाषा एवं साहित्य परम्परा के ज्ञान के आधार पर सफलता प्राप्त कर सकेंगे।
- साहित्य की परम्परा के गहन अध्यापन द्वारा छात्रों के हृदय में मानवीय संवेदना, मानवोचित विवेक एवं मूल्यों का निर्माण संभव होगा।

स्व – अध्ययन सामग्री के परिवर्द्धन – संवर्धन हेतु समय-समय पर विषय वस्तु की समीक्षा की जायेगी तथा विषय को अधुनातन रूप में परखा जाएगा | इच्छुक विद्यार्थियों के लिए पाठयक्रम का निरन्तर प्रसार-प्रचार किया जाएगा |

स्नातकोत्तर: पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष, प्रथम सत्र

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास और आदिकालीन कविता प्रथम सत्र MAHL 501

खण्ड – 1साहित्येतिहास लेखन

इकाई – 1 इतिहास एवं साहित्येतिहास का संबंध

इकाई – 2 हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा

इकाई – 3 हिंदी साहित्येतिहास लेखन की समस्या एवं नामकरण की समस्या

इकाई – 4 हिंदी साहित्येहिास लेखन : काल विभाजन की समस्या

खण्ड – 2आदिकाल : परिचय एवं स्वरूप

इकाई – 5 हिंदी साहित्य के आदिकाल का उद्भव एवं विकास

इकाई – 6 हिंदी साहित्य के आदिकाल का स्वरूप एवं प्रक्रिया

इकाई – 7 हिंदी साहित्य की आदिकालीन कविता में रस, छंद, अलंकार योजना

इकाई – 8 हिंदी साहित्य की आदिकालीन कविता का भाषिक विवेचन

द्वितीय प्रश्न पत्र : मध्यकालीन कविता (प्रथम सत्र) MAHL 502

खण्ड 1 – भक्ति कालीन कविता : स्वरूप एवं प्रक्रिया

इकाई 1 – भक्तिकालीन कविता का उदय

इकाई 2 – भक्तिकालीन कविता: प्रक्रिया एवं विकास

इकाई 3 – भक्तिकालीन कविता: विविध शाखाएँ

खण्ड 2 – भक्ति कालीन कविता : पाठ एवं आलोचना

इकाई 4 – कबीर :जीवन एवं साहित्य

इकाई 5 – कबीर : पाठ एवं आलोचना

इकाई 6 – सूरदास : साहित्य एवं आलोचना

इकाई 7 – जायसी: जीवन एवं साहित्यालोचना

इकाई 8 – तुलसी : परिचय, पाठ एवं आलोचना

तृतीय प्रश्न पत्र : आधुनिक एवं समकालीन कविता (प्रथम सत्र) MAHL 503

खण्ड 1 – आधुनिकता एवं हिन्दी साहित्य

इकाई 1 –आधुनिकता का स्वरूप एवं साहित्य का सन्दर्भ

इकाई 2 – प्रमुख काव्य आन्दोलन : परिचय एवं आलोचना

इकाई 3 – हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : पद्य

इकाई 4 – आधुनिक हिन्दी कविता : भारतेन्दु युग

इकाई 5 – हिन्दी कविता का द्विवेदी युग : परिचय एवं आलोचना

इकाई 6 – हिन्दी कविता की भाषा का सन्दर्भ : प्रयोग एवं समस्या

खण्ड 2 – छायावादी कविता

इकाई 7– जयशंकर प्रसाद : पाठ एवं आलोचना

इकाई 8– सुमित्रानन्दन पन्त : पाठ एवं आलोचना

इकाई 9– सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : परिचय, पाठ और आलोचना

इकाई 10– महादेवी वर्मा : पाठ एवं आलोचना

चतुर्थ प्रश्न पत्र : साहित्यशास्त्र और हिंदी समालोचना (प्रथम सत्र) MAHL 504

खण्ड 1 भारतीय काव्य सिद्धांत

1. काव्य का लक्षण एवं स्वरूप
2. काव्य की प्रेरणा एवं काव्य और हेतु
3. भारतीय काव्य शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय: अलंकार सम्प्रदाय
4. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय : ध्वनि
5. भारतीय साहित्य सिद्धान्त – औचित्य
6. भारतीय काव्य शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय: रीति सम्प्रदाय
7. भारतीय साहित्य सिद्धान्त – वक्रोत्ति

खण्ड 2 पाश्चात्य काव्य सिद्धांत

8. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र की परंपरा
9. प्लेटो: परिचय एवं सिद्धांत
10. अरस्तू : परिचय एवं सिद्धांत

11. मैथ्यू आर्नल्ड : परिचय एवं सिद्धान्त
12. आई0ए0 रिचर्ड्स परिचय एवं सिद्धांत
13. बेनेदेतो क्रोचे : परिचय एवं सिद्धांत
14. टी0एस0इलियट : परिचय एवं सिद्धांत

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष, द्वितीय सत्र

पंचम पश्न पत्र : हिंदी साहित्य का इतिहास और आदिकालीन कविता (द्वितीय सत्र)

MAHL 505

खण्ड – 3आदिकालीन कविता : पाठ एवं आलोचना

इकाई – 9आदिकालीन सिद्ध साहित्य: परिचय एवं स्वरूप
इकाई – 10आदिकालीन सिद्ध साहित्य : परिचय एवं स्वरूप
इकाई – 11आदिकालीन नाथ साहित्य : परिचय एवं स्वरूप
इकाई – 12आदिकालीन नाथ साहित्य : पाठ एवं परिचय
इकाई – 13आदिकालीन जैन साहित्य: परिचय एवं स्वरूप
इकाई – 14आदिकालीन जैन साहित्य : पाठ एवं परिचय

खण्ड 4 –आदिकालीन कविता : लौकिक साहित्य

इकाई– 15विद्यापति : परिचय एवं पाठ
इकाई - 16 विद्यापति : साहित्य एवं आलोचना
इकाई - 17 अमीर खुसरो : परिचय, पाठ और आलोचना

षष्ठम प्रश्न पत्र : मध्यकालीन कविता (द्वितीय सत्र) MAHL 506

खण्ड 3 – भक्ति कालीन कविता : पाठ एवं आलोचना

इकाई 9 – मीराबाई : पाठ एवं आलोचना
इकाई 10 – नानक : परिचय, पाठ एवं आलोचना

खण्ड 3 – रीतिकालीन कविता : परिचय, पाठ एवं आलोचना

इकाई 11 – रीतिकाल : परिचय एवं आलोचना
इकाई 12 – बिहारी: परिचय, पाठ एवं आलोचना
इकाई 13 – केशवदास : परिचय, पाठ एवं आलोचना

इकाई 14 – घनानन्द : परिचय, पाठ एवं आलोचना
इकाई 15 – मतिराम : परिचय, पाठ एवं आलोचना

अष्टम प्रश्न पत्र : साहित्यशास्त्र और हिंदी समालोचना (द्वितीय सत्र) MAHL 508

खण्ड 3 पाश्चात्य काव्य सिद्धांत

15. मार्क्सवाद
16. आधुनिकता, उत्तर- आधुनिकतावाद
17. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, शास्त्रवाद, नव्यशास्त्रवाद, नई समीक्षा
18. स्वच्छंदतावाद, बिबंवाद, प्रतीककवाद, यर्थाथवाद, अतियर्थाथवाद, दादावाद, शैलीविज्ञान

खण्ड 3 हिन्दी समालोचना

19. हिन्दी आलोचना: आचार्य रामचंद्र शुक्ल और उनका युग
20. शुक्लोत्तर युग एवं हिन्दी आलोचना
21. प्रगतिशील आलोचना एवं रामविलास शर्मा
22. समकालीन हिन्दी आलोचना और नामवर सिंह

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष, तृतीय सत्र

नवां प्रश्न पत्र : कथा साहित्य (भाग : एक) MAHL 601

खण्ड 1 कथा साहित्य का विकास

इकाई 1 हिंदी गद्य का उद्भव एवं विकास
इकाई 2 हिंदी कहानी का उद्भव एवं विकास
इकाइ 3 हिंदी उपन्यास का उद्भव एवं विकास

कथा साहित्य का तात्विक विवेचन

इकाई 4 कहानी का स्वरूप, भेद व तत्व
इकाई 5 उपन्यास का स्वरूप, भेद व तत्व
इकाई 6 उपन्यास व कहानी में अंतर

खण्ड 3 हिंदी कहानी: पाठ एवं स्वरूप

इकाई 7 उसने कहा था: पाठ एवं विवेचन
इकाई 8 उसने कहा था: विश्लेषण और मूल्यांकन

दसवां प्रश्न पत्र : नाटक एवं कथेतर साहित्य (तृतीय सत्र) MAHL 602

खण्ड 1 हिंदी नाटक एवं एकांकी

इकाई 1 हिंदी नाट्य साहित्य का विकास एवं स्वरूप विवेचन
इकाई 2 अंधेर नगरी: पाठ एवं मूल्यांकन
इकाई 3 ध्रुवस्वामिनी: पाठ एवं मूल्यांकन
इकाई 4 आधे-अधूरे: पाठ एवं मूल्यांकन
इकाई 5 पृथ्वीराज की आँखें: पाठ एवं मूल्यांकन

खण्ड 2 – निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं : तात्विक विवेचन

इकाई 6 हिंदी निबंध साहित्य का स्वरूप एवं तात्विक विवेचन
इकाई 7 अन्य गद्य विधाओं का स्वरूप एवं तात्विक विवेचन-1
इकाई 8 गद्य की अन्य विधाओं का स्वरूप व तात्विक विवेचन-2
इकाई 9 यात्रा साहित्य: तात्विक विवेचन
इकाई 10 आत्मकथा विधा: तात्विक विवेचन

ग्यारहवां प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा (तृतीय सत्र) MAHL 603

खण्ड 1 – हिन्दी भाषा एवं लिपि

इकाई 1 हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास
इकाई 2 हिंदी: उपभाषाएँ एवं बोलियाँ
इकाई 3 भारतीय संविधान एवं हिंदी
इकाई 4 देवनागरी लिपि: उद्भव एवं विकास

खण्ड 2 – हिन्दी भाषाविज्ञान

इकाई 5 ध्वनि विज्ञान-1 (स्वन विज्ञान)
इकाई 6 ध्वनि विज्ञान-2 (स्वनिम प्रक्रिया)
इकाई 7 रूप विज्ञान

बारहवां प्रश्न पत्र : तुलनात्मक एवं भारतीय साहित्य (तृतीय सत्र) MAHL 604

खण्ड 1 – तुलनात्मक साहित्य

इकाई 1 तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा
इकाई 2 तुलनात्मक अध्ययन पद्धतियाँ

खण्ड 2 – भारतीय साहित्य की अवधारणा

इकाई 3 भारतीय साहित्य की अवधारणा
इकाई 4 भारतीय साहित्य की व्यापकता

इकाई 5 भारतीय साहित्य का इतिहास

खण्ड 3 – भारतीय साहित्य : प्रायोगिक उपक्रम

इकाई 6 तेलुगु साहित्य का इतिहास एवं परिचय (1)

इकाई 7 तेलुगु साहित्य का इतिहास एवं परिचय (2)

तेरहवां प्रश्न पत्र : उत्तराखंड का लोक साहित्य (तृतीय सत्र) MAHL 605

खण्ड 1 लोक साहित्य: स्वरूप एवं प्रवृत्ति

इकाई 1 लोक: स्वरूप एवं प्रवृत्ति

इकाई 2 लोक साहित्य: स्वरूप एवं प्रवृत्ति

इकाई 3 लोक साहित्य के संरक्षण की समस्या एवं समाधान

खण्ड 2 कुमाऊँनी लोक साहित्य का परिचय

इकाई 4 कुमाऊँनी लोक साहित्य का इतिहास एवं स्वरूप

इकाई 5 कुमाऊँनी लोक गीत इतिहास, रूवरूप एवं साहित्य

इकाई 6 कुमाऊँनी लोक गाथाएँ: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य

इकाई 7 कुमाऊँनी लोक कथाएँ: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य

इकाई 8 कुमाऊँनी लोक साहित्य: अन्य प्रवृत्तियाँ

चौदहवां प्रश्न पत्र : हिंदी पत्रकारिता : इतिहास और सिद्धांत (तृतीय सत्र) MAHL 606

खण्ड 1 जनसम्पर्क एवं विज्ञापन

इकाई 1 जनसम्पर्क: अवधारणा एवं स्वरूप

इकाई 2 जनसम्पर्क के उपकरण

इकाई 3 विज्ञापन: विकास, अवधारणा एवं उद्देश्य

खण्ड 2 मीडिया विविधा

इकाई 4 ई- पत्रकारिता

इकाई 5 हिंदी पत्रकारिता का इतिहास

इकाई 6 संपादन कला

इकाई 7 मीडिया/समाचार लेखन

इकाई 8 अनुवाद

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष : चतुर्थ सत्र

पंद्रहवां प्रश्न पत्र : कथा साहित्य भाग दो MAHL 607

खण्ड 4 हिंदी कहानी: पाठ एवं स्वरूप

इकाई 9 बड़े भाईसाहब: पाठ एवं विवेचन
इकाई 10 बड़े भाईसाहब: विश्लेषण और मूल्यांकन
इकाई 11 सुहागिनी: पाठ एवं विवेचन
इकाई 12 सुहागिनी: विश्लेषण और मूल्यांकन

खण्ड 4 हिंदी उपन्यास: पाठ एवं विवेचन

इकाई 13 जैनेन्द्र कुमार: परिचय एवं कृतित्व
इकाई 14 त्यागपत्र: पाठ एवं व्याख्या
इकाई 15 त्यागपत्र: संरचना व शिल्प

सोलहवां प्रश्न पत्र : नाटक एवं कथेत्तर साहित्य चतुर्थ सत्र MAHL 608

खण्ड 3 – हिन्दी निबन्ध : पाठ एवं आलोचना

इकाई 11 करूणा: परिचय, पाठ एवं आलोचना
इकाई 12 पंडितों की पंचायत: परिचय, पाठ एवं आलोचना
इकाई 13 उत्तराखण्ड में संत मत और साहित्य: परिचय, पाठ एवं आलोचना
इकाई 14 अशोक के फूल : पाठ एवं मूल्यांकन

खण्ड 4 – अन्य गद्य विधाएं : पाठ एवं आलोचना

इकाई 15 आत्मकथा- अपनी खबर: परिचय, पाठ एवं आलोचना
इकाई 16 जीवनी- निराला: परिचय, पाठ एवं आलोचना
इकाई 17 संस्मरण- पथ के साथी: परिचय, पाठ एवं आलोचना
इकाई 18 नैनीताल में :पाठ एवं मूल्यांकन

सत्रहवां प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा चतुर्थ सत्र MAHL 609

इकाई 8 वाक्य संरचना
इकाई 9 अर्थविज्ञान
इकाई 10 अन्य व्याकरणिक इकाईयाँ
इकाई 11 हिंदी की शब्द-संपदा

खण्ड 3 – प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई 12 प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई 13 पत्राचार: कार्यालय पत्र, व्यावसायिक पत्र
इकाई 14 भाषा कम्प्यूटरनिंग (कम्प्यूटर और हिंदी)

अठरहवां प्रश्न पत्र : तुलनात्मक एवं भारतीय साहित्य चतुर्थ सत्र MAHL 610

इकाई 8 कुमाऊँनी लोक साहित्य का इतिहास एवं स्वरूप
इकाई 9 कुमाऊँनी लोकगीत: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य
इकाई 10 गढ़वाली लोक साहित्य का इतिहास एवं स्वरूप
इकाई 11 गढ़वाली लोक साहित्य का वर्तमान स्वरूप एवं समस्याएँ
इकाई 12 पंजाबी साहित्य का इतिहास एवं परिचय
इकाई 13 राजस्थानी साहित्य का इतिहास एवं परिचय

उन्नीसवां प्रश्न पत्र : उत्तराखंड का लोक साहित्य चतुर्थ सत्र MAHL 611

खण्ड 3 गढ़वाली लोक साहित्य का परिचय

इकाई 9 गढ़वाली लोक साहित्य का इतिहास एवं स्वरूप
इकाई 10 गढ़वाली लोक गीत: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य
इकाई 11 गढ़वाली लोक गाथाएँ: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य
इकाई 12 गढ़वाली लोक कथाएँ: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य
इकाई 13 गढ़वाली लोक साहित्य: अन्य प्रवृत्तियाँ
इकाई 14 गढ़वाली लोक साहित्य का वर्तमान स्वरूप एवं साहित्य

बीसवां प्रश्न पत्र : हिंदी पत्रकारिता : इतिहास और सिद्धांत चतुर्थ सत्र MAHL 612

खण्ड 3 मीडिया लेखन

इकाई 9 समाचार लेखन
इकाई 10 समाचारों का वर्गीकरण
इकाई 11 समाचार पत्र लेखन: स्वरूप एवं प्रक्रिया
इकाई 12 रेडियो लेखन के सिद्धान्त
इकाई 13 टेलीविजन लेखन के सिद्धान्त
इकाई 14 साइबर मीडिया के लिए लेखन

खण्ड 4 मीडिया विमर्श

इकाई 15 विज्ञान एवं पर्यावरण पत्रकारिता
इकाई 16 धार्मिक पत्रकारिता
इकाई 17 स्वास्थ्य पत्रकारिता
इकाई 18 ग्रामीण पत्रकारिता